B.A. 1st Year Drawing and Painting Syllabus of Practical

Paper - 1st

Multidisciplinary/ Interdisciplinary

Part A - Introduction			
Program: Certificate	**Class: B. A. 1st Year**	**Year: 2025**	**Session: 2025-26**
Subject : Drawing and Painting			

1	**Course Code**	
2	**Course Title**	**Artistic Practice with Calligraphy (Practical 1)**
3	**Course Type: (Core Course/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/....)**	**Multidisciplinary/ Interdisciplinary**
4	**Pre-requisite (if any)**	**To study this course, a student must be 12th pass, from any stream.**
5	**Course Learning Outcomes (CLO)**	Calligraphy is defined as the art of writing with decorative letters. Calligraphy courses educate students about the methods and abilities needed to produce refined and attractive letters. Calligraphy is the art of beautiful handwriting. This course introduces students to the art of calligraphy, covering the many forms, methods and tools used in traditional and contemporary calligraphy activities such as calligraphy artist, instructor workshop leader, freelance calligrapher, tattoo artist, sign painter etc. Along with learning the basics of composition, spacing, and writing, students will also gain knowledge about the cultural and historical background of calligraphy. In calligraphy, extra value is created by decorating the letters which also gives a certain meaning to the words.

K Bharadwaj

डॉ० कुमकुम भारद्वाज
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
चित्रकला

6	**Credit Value**	**Practical– 03**	
7	**Total Marks**	Maximum Marks: 100	Min. Marks: 33

Part B- Content of the Course

Total number of lectures-tutorials-practicals (in hours per week): L-T-P:

Total Practical – 45 (01 hour per practical)

Unit	Topics	No. of Practicals
I	Introduction to calligraphy, history, Holding of calligraphy tradition in Indian texts, postures and movements, Methods of writing lowercase alphabets,	15
II	Ways of using different brushes and pens, Writing English and Hindi alphabet letters, Writing letters and words with three dimensional effect, Techniques of connecting letters	15
III	Tricks of professional calligraphy Basic strokes Modern calligraphy: Basics of pointed pen How to form lowercase and uppercase letters, writing of folk proverbs with corresponding shapes **Activity: Practical work of 10 sheets of calligraphy** **References: 1- The tradition of writing in India started with Rigveda and Yajurveda.**	15

K Bharadwaj.

डॉ० कुमकुम भारद्वाज
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मंडल
चित्रकला

	2- Maharishi Panini's grammar is evidence of the writing tradition. **3- The tradition of Indian calligraphy has existed since the 2nd century BC.**	

Keywords/ Tags: calligraphy, lowercase, uppercase, stroke

Part C- Learning Resources

Text books, reference books, other resources

Suggested Readings:

David Harris - The Art of Calligraphy

Eleanor Winters - Mastering Copperplate Calligraphy

Learn Calligraphy - Margaret Shepherd

Suggested Digital Platform Web Links

Suggested equivalent online courses: Coursera, Swayam.

Part D- Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks: 100

University Practical Examination Marks: 100

Assessment: Practical Exam Time: 02:00 Hours	Assignment presentation 10 sheets 1/4th size will submit to class teacher for exam sessional purpose. External examiner of practical exam assign . Practical Exam will be on ¼ size sheet which student learn in class room teaching . Total Marks: 100

KBharadwaj

डॉ० कुमकुम भारद्वाज

अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल

चित्रकला

बी. ए. प्रथम वर्ष प्रायोगिक प्रश्नपत्र प्रथम - पाठ्यक्रम चित्रकला

बहुविषयक /अन्तरनुशासनिक

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा: बी. ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2025	सत्र: 2025-26
विषय: चित्रकला				
1	पाठ्यक्रम का कोड			
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सुलेखन के साथ कलात्मक अभ्यास (प्रश्न पत्र 1) प्रायोगिक		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार: (कोरकोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल/....)	बहुविषयक /अन्तरनुशासनिक		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्रा ने कक्षा 12वीं किया हो। (सभी संकाय के छात्र एवम् छात्राएँ)		
5	पाठ्यक्रम अधध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	सुलेख को सजावटी अक्षरों के साथ लिखने की कला के रूप में परिभाषित किया गया है। सुलेख पाठ्यक्रम छात्रों को परिष्कृत और आकर्षक अक्षरों का निर्माण करने के लिए आवश्यक विधियों और क्षमताओं के बारे में शिक्षित करता है। सुलेख सुंदर लिखावट की कला है। इस पाठ्यक्रम में छात्रों को सुलेख की कला से परिचित कराया जाता है, जिसमें सुलेख कलाकार, प्रशिक्षक कार्यशाला नेता, स्वतंत्र सुलेखक, टैटू कलाकार, साइन पेंटर आदि जैसे पारंपरिक और समकालीन सुलेख गतिविधियों में उपयोग किए जाने वाले कई रूपों, विधियों और उपकरणों को शामिल किया गया है। रचना, रिक्त स्थान और लेखन की मूल बातें सीखने के साथ-साथ, छात्र सुलेख की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में भी ज्ञान प्राप्त करेंगे। सुलेख अक्षरों के विभिन्न रूपों के ज्ञान पर जोर देता है। सुलेख में, अक्षरों को सजाने से अतिरिक्त मूल्य बनाया जाता है जो शब्दों को निश्चित अर्थ भी देता है।		
6	क्रेडिट मान	प्रायोगिक– 03		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 100		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:

कुल प्रायोगिक – 45 (प्रति प्रायोगिक 01 घंटा)

इकाई	विषय	प्रायोगिक की संख्या
I	सुलेख का परिचय, इतिहास, भारतीय ग्रंथों में सुलेखन परम्परा की पकड़, मुद्रा और चाल, लोअरकेस वर्णमाला लिखने के तरीके,	15
II	विभिन्न ब्रश और पेन को उपयोग करने के तरीके, अंग्रेजी और हिंदी वर्णमाला अक्षर लेखन, त्रिआयामी प्रभाव के साथ अक्षरों और शब्दों का लेखन,	15

K Bharadwaj

डॉ० कुमकुम भारद्वाज
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
चित्रकला

III	अक्षरों को जोड़ने की तकनीक पेशेवर सुलेखन की तरकीबें बुनियादी स्ट्रोक आधुनिक सुलेख: नुकीली कलम की मूल बातें लोअरकेस और अपरकेस अक्षर बनाने के तरीके, लोक मुहावरों का लेखन संबंधित रूपाकारों के साथ **गतिविधि: प्रयोगात्मक कार्य की 10 शीट्स सुलेखन की।**	**15**

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: सुलेखन , लोअरकेस, अपरकेस, स्ट्रोक

संदर्भ: 1- **ऋग्वेद और यजुर्वेद से ही भारत में लेखन परम्परा प्रारम्भ हो गई थी।**

2- **महर्षि पाणिनि का व्याकरण लेखन परम्परा का प्रमाण है।**

3- **भारतीय सुलेखन की परंपरा दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से ही मौजूद है।**

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. David Harris - The Art of Calligraphy
2. Eleanor Winters - Mastering Copperplate Calligraphy
3. Learn Calligraphy - Margaret Shepherd

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम: कोर्सेरा, स्वयम ।

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : शून्य, विश्वविद्यालयीन प्रायोगिक परीक्षा (UE) अंक: 100

	असाइनमेंट/ प्रस्तुतिकरण (प्रेजेंटेशन)/ viva etc प्रायोगिक परीक्षा के समय परीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है।	10 शीट्स 1/4 साइज
आकलन: प्रायोगिक परीक्षा समय: 02:00 घंटे	कक्षा में सीखे गये कार्य की प्रायोगिक परीक्षा में ¼ साइज़ की शीट पर संपन्न कराई जाएगी।	कुल अंक: 100

कोई टिप्पणी/सुझाव: